Q3) अनुसूचन (Scheduling) :- अनुसूचन उत्पादन नियोजन का अन्तिम पद है। अमुक कार्य कब किया जाएगा तथा किस क्रम में किया जाएगा, यह अनुसूचन के द्वारा ही तय किया जाता है। इसके द्वारा यह भी तय किया जाता है कि कार्य कब प्रारम्भ होगा तथा कार्य कब समाप्त होगा। संक्षेप में अनुसूचन के द्वारा यह पता लगाते हैं कि कौन-सी मशीन क्या कर रही है और कब कर रही है।

पथ निर्धारण (Routing) :- प्रक्रम नियोजन के अन्तर्गत पथ निर्धारण भी बहुत महत्वपूर्ण कार्य है। इसके द्वारा यह निश्चय किया जाता है कि कौन-सा कार्य कहाँ और कैसे किया जाएगा। एक मशीन से दूसरी मशीन तक गुजरते हुए कच्चे पदार्थ पर होने वाली क्रियाओं का क्रम तथा पथ, पथ निर्धारण की सहायता से निर्धारित किया जाता है।

Date:
Page:

प्रेषण Dispatching :- प्रेषण द्वारा उत्पादन योजना का क्रियान्वयन सुनिश्चित होता है। प्रेषण के अन्तर्गत पथ शीट तथा अनुसूची चार्ट पर अंकित समय, स्थान तथा क्रमों के अनुसार, विभिन्न शालाओं में कार्य वितरण एवं अनुदेश जारी करने के हेतु उत्पादन आदेश दिये जाते हैं। संक्षेप में प्रेषण का अर्थ नियोजन द्वारा निर्धारित किए गए कार्यों को आरम्भ करने का आदेश विभिन्न कार्यशालाओं एवं अधिकारियों आदि को देना है।